इस समाचार का फोटो आरकेबी 6135, 6050 व 6062 के नाम से है

नाटक की प्रस्तुति ने मोहा मन

महिला मंडल आमेट का आयोजन

आमेटः 24 जनवरी

तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में यहां तेरापंथ समवसरण में सोमवार रात को तेरापंथ महिला मंडल की ओर से सत्यवादी हरि-ाचंद्र विशयक लघु नाटिका का मंचन किया गया। महिलाओं की इस प्रस्तुति ने द-र्ाकों का मन मोह लिया और वे :ाीतलहर चलने के बावजूद रात तक नाटिका को देखने के लिए पांडाल में जमे रहे।

:ाम साढे सात बजे :ाुरु हुई इस नाटिका में उनके बाल्यावस्था से लेकर उनके सत्यवादी हरि-ाचन्द्र के सफर को विभिन्न पात्रों ने अनेक भाव भंगिमाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। राजा के पात्र का किरदार मयूरी पितलिया, रानी का रेणु छाजेड, हरिजन पति का किरदार कोमल भण्डारी, इन्द्र मनु सांखला, तापस खु-ाबू गेलडा, वृद्धा आ-ाा डूंगरवाल, प्रहरी पूर्वी लोढा, वृद्ध सुधा मेहता, मंत्री टीना भरसारिया आदि ने निभाया। संचालन मीना गेलडा ने किया। प्रारंभ में अध्यक्ष मंजु गेलडा ने किरदार परिचय और अतिथियों का स्वागत किया।

श्रावकों की सुविधाओं पर रखा जाएगा ध्यान

तेरापंथ धर्म संघ के ग्यारहवें आचार्यश्री महाश्रमण के आमेट में मर्यादा महोत्सव के मद्देनजर बाहर से आने वाले श्रावक–श्राविकाओं के लिए वि-ोश सुविधाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाएगा। इस तरह के निर्णय आमेट भिक्षु मंडल मुंबइ की आवास कार्यालय में मंगलवार को हुई बैठक में पदाधिकारियों ने पारित किए। दोपहर तीन बजे आयोजित इस बैठक में निर्णय लिया गया कि भोजन-ाला के प्रायोजक बाबूलाल विनोद कच्छारा है। इसमें मर्यादा महोत्सव के लिए 28 जनवरी को मुंबई वेस्टर्न जोन, 29 जनवरी को न्यू बोम्बे जोन तथा 30 जनवरी को सैन्ट्रल जोन को भोजन-ाला में व्यवस्था सौंपने का निर्णय किया गया। इस दौरान महिला मंडल मुंबई भी सहयोग करेगी। आवास व्यवस्था में संघ के लोग जहां ठहरेंगे वहां मित्र मंडल के दो–दो व्यक्तियों की नियुक्ति की गई। बैठक में मुंबई सभा अध्यक्ष विनोद कच्छारा, आमेट मित्र मंडल के अध्यक्ष सलील लोढा, पूर्व अध्यक्ष हस्तीमल हस्ती, गोगालाल चौधरी, महिला मंडल अध्यक्ष पुश्पा गेलडा ने विचार व्यक्त किए। रमे-ा चौधरी और नीरज बंब व्यवस्थाओं पर नजर लगाए हुए है।

आचार्यश्री महाश्रमण का परिवर्तित नया यात्रा पथ

आमेटः 24 जनवरी

आध्यात्म जगत के महासूर्य आचार्यश्री महाश्रमण का आमेट से बाडमेर जिले के जसोल जाने का यात्रा पथ घोषित कर दिया है। आचार्यश्री 5 फरवरी को सेलागुडा के लिए विहार करेंगे। आचार्यश्री महाश्रमण मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति के संयोजक धर्मचंद खाब्या ने बताया कि आचार्यश्री 6 फरवरी को कुंआथल, 7 को दौलाजी का खेडा, 8 को ननाणा, 9–10 को दिवेर, 11 को कितेला, 12 को चारभुजा, 13 को रीछेड, 14 को मजेरा, 15 को कांकरवा, 16 को कुंचोली, 17 को करदा, 18 को रावलिया खुर्द, 19 को गोगुन्दा, 20 को रावलियां कलां, 21 को नान्दे-ामा, 22 को पदराडा, 23 को सेमड, 24 को सायरा, 25 को मग्धा, 26 को रणकपुर, 27 को सादडी, 28 को मुण्डारा, 29 को रमणिया, 1 व 2 मार्च को रानी, 3 को बरकाणा, 4 को नाडोल, 5 को नीपलखुर्द, 6 को डेयलाना, 7 व 8 को मगरतलाव, 9 को पनोता, 10 को जोजावर, 11 को धनला, 12 व 13 को खिंवाडा, 14 व 15 को जाणुंदा, 16 को आउवा, 17 को बिठौडा, 18 को मारवाड जंक्शन, 19 को गादाणा, 20 व 21 को गुडा रामसिंह, 22 को राणावास, 23 से 25 तक सिरियारी, 26 को माण्डा, 27 को कंटालिया, 28 को मुसालिया, 29 को सोजतरोड, 30 से एक अप्रेल तक बगडी में प्रवास करेंगे। खाब्या ने बताया कि एक अप्रेल को सायं सियाट, 2 को सोजतसिटी(मरूधर केसरी धाम), 3 को बागावास, शाम को जाडन, 4 को रुपरजत विहार, 4 से 8 तक पाली, 9 को घुमटी, 10 को केरला, 11 को जैतपुरा, 12 को माण्डावास, 13 को गेलावास, 14 को मझल, 15 को करमावास, 16 को मेली, 17 को गढ सिवाना, 18 को नागणेची मंदिर, 19 को ब्रहम धाम, 20– 21 को आसोतरा, 22 अप्रेल से 21 मई तक बालोतरा, 22 जानियाना, 23–24 को कानाना, 25 को जेठंतरी, 26 से 31 मई समदडी, एक जून को जेठन्तरी, 2–3 को पारलु, 4 को उमरलाई, 5 को रामीणमुंगडा, 6 से 27 जून पचपदरा, 28 को बीच में तथा 29 जून को बाडमेर जिले के जसोल में चातुर्मास के लिए प्रवे-ा करेंगे।